(4) सरल एवं सस्ता उपकरण (Easy and Inexpensive tool) → Bernstein & Neitzel (1987) के अनुसार नैदानिक मूल्यांकन के लिये साक्षात्कार एक सरल एवं सस्ता उपकरण है।

(5) Natural Source of clinical information → Neitzel et al (1994) के अनुसार नैदानिक आँकड़ों को प्राप्त करने के लिये साक्षात्कार एक स्वाभाविक स्रोत है। साक्षात्कार के समय interviewer तथा interviewee के बीच सामाजिक पारस्परिक सम्बन्ध विकसित होता है जिससे वातावरण स्वभाविक होजाता है और सूचना जो प्राप्त होता है उसमे authenticity आ जाती है।

Demerits and Limitations of Interview

1. Subjective technique →
चूंकि interview मे वार्तालाप होता इसलिये इसका ~~interp~~ interpretation आत्मनिष्ठ होता है इसलिये इसके द्वारा मूल्यांकन निष्पक्ष नहीं होपाता है।

2. Interviewer's bias (साक्षात्कारकर्ता के पक्षपात)
साक्षात्कार के समय होने वाले वार्ता को व्याख्या करते समय साक्षात्कारकर्ता के पक्षपात की सम्भावना रहती है।

Evaluation of interview as a technique of clinical assessment →

नैदानिक मूल्यांकन के रूप में interview technique का उपयोग व्यापक रूप से किया जाता है। इसलिये इस विधि का मूल्यांकन भी अति आवश्यक है। इस विधि के कुछ गुण है और कुछ दोष भी है।

Merits of or use of Interview →

① गहन अध्ययन (Intensive Study) → साक्षात्कार का एक नैदानिक मूल्य यह है कि यह रोगी का गहन अध्ययन करता है। इससे प्राप्त सूचनाओं के आलोक में रोगी का समुचित मूल्यांकन सम्भव है।

② व्यापक अध्ययन (Pervasive Study) → साक्षात्कार एक ऐसा मूल्यांकन का माध्यम है जिसके द्वारा कई प्रकार के समस्याओं का अध्ययन तथा निदान सम्भव है।

③ Study of verbal and Non verbal behaviour.

साक्षात्कार एक ऐसी विधि है जिसके द्वारा non verbal behaviour के द्वारा व्यक्ति की उन बातों को भी जानने में मदद मिलती है जिसे वह कहना नहीं चाहता है। एक कुशल मनोवैज्ञानिक व्यक्ति के bodily gesture, facial expression, vocal tone के द्वारा बहुत से महत्वपूर्ण आँकड़े प्राप्त कर लेता है

(1) प्रारम्भिक अवस्था → साक्षात्कार की इस प्रथम अवस्था में साक्षात्कार के समुचित संचालन के लिये तैयारी की जाती है और रोगी के साथ rapport स्थापित करता है। interviewer इसमें यह तय करता है कि किस प्रकार के साक्षात्कार का उपयोग किया जायेगा। जब रोगी निदानगृह में पहुँचता है तो वहाँ का वातावरण उसके लिये नया तथा अजनबी होता है अतः चिकित्सक रोगी के घबराहट तथा उसके संकोच को दूर करने के लिये उसे निश्चित बनाने का प्रयास करता है।

(2) मध्य अवस्था → साक्षात्कार की इस अवस्था में चिकित्सक रोगी का वास्तविक निदान या diagnosis करता है। वह व्यक्ति से प्रश्न पूछता है और उसके उत्तर के आधार पर किसी नतीजे तक पहुँचता है।

(3) समापन अवस्था → साक्षात्कार की यह अंतिम अवस्था है इस अवस्था में साक्षात्कार पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद रोगी को जाने की अनुमति देता है उसके बाद प्राप्त सूचनाओं के आधार पर report तथा किया जाता है तथा किसी निष्कर्ष पर पहुंचने में मदद मिलती है।

REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA

~~Clinical~~ Interview as technique of Clinical Assesment

साधारण अर्थ मे साक्षात्कार एक उद्देश्यपूर्ण वार्तालाप है। Chaplin (1975) के अनुसार " साक्षात्कार आमने सामने होने वाला वह वार्तालाप है, जिसका उद्देश्य तथ्यपूर्ण सूचना प्राप्त करने के लिये है।"

इस प्रकार साक्षात्कार एक ऐसी विधि है जिसके द्वारा साक्षात्कार लेने वाला interviewer तथा देने वाला interviewee से आमने सामने की परिस्थितों में संगत सूचनायें प्राप्त करने का प्रयास करता है।

Neitzel, Bernstein & Millich (1994) के ने clinical interview को परिस्थितियों के अनुसार निम्नलिखित प्रकारों का उल्लेख किया है।

1. Intake Interview
2. Crisis Interview
3. Observation Interview
4. Case history Interview etc

Stages or Steps of Clinical Interview.

सामान्यतः साक्षात्कार की तीन अवस्था होती है।

(i) प्रारम्भिक अवस्था
(ii) मध्य अवस्था
(iii) अंतिम अवस्था